SHRI SHIKSHAYATAN SCHOOL
MID TERM EXAMINATION (2017 - 18)
CLASS – XII
HINDI (CORE)

TIME : 3 HRS. **FULL MARKS: 100**

सामान्य निर्देश :

- **इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।**
- **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**
- **विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।**
- **स्वच्छता अपेक्षित है ।**

खंड - 'क'

1) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(15)**

सिने जगत के अनेक नायक-नायिकाओं ,गीतकारों,कहानीकारों और निर्देशकों को हिन्दी के माध्यम से पहचान मिली है । यही कारण है की गैर-हिन्दी भाषी कलाकार भी हिन्दी की ओर आए हैं । समय और समाज के उभरते सच को पर्दे पर पूरी अर्थवत्ता में धारण करने वाले ये लोग दिखावे के लिए भले ही अंग्रेज़ी के आग्रही हों, लेकिन बुनियादी और ज़मीनी हकीकत यही है कि इनकी पूँजी, इनकी प्रतिष्ठा का एकमात्र निमित्त हिन्दी ही है । लाखों-करोड़ों दिलों की धड़कनों पर राज करने वाले ये सितारे हिन्दी फिल्म और भाषा के सबसे बड़े प्रतिनिधि हैं । 'छोटा पर्दा' ने आम जनता के घरों में अपना मुकाम बनाया, तो लगा हिन्दी आम भारतीय की जीवन-शैली बन गई । रामायण और महाभारत को जब हिन्दी में प्रस्तुत किया गया, तो सड़कों का कोलाहल सन्नाटे में बदल गया । 'बुनियाद' और 'हमलोग' से शुरू हुआ सोप आपेरा का दौर हो या सास-बहू धारावाहिकों का, ये सभी हिन्दी की रचनात्मकता और उर्वरता के प्रमाण हैं । 'कौन बनेगा करोड़पति' से करोड़पति चाहे जो बने हों, पर सदी के महानायक की हिन्दी हर दिल की धड़कन और हर धड़कन की भाषा बन चुकी है । सुर और संगीत की प्रतियोगिताओं में,कर्नाटक,गुजरात महाराष्ट्र,असम,सिक्किम जैसे गैर-हिन्दी क्षेत्रों के कलाकारों ने हिन्दी गीतों के माध्यम से पहचान बनाई । ज्ञान गंभीर 'डिस्कवरी' चैनल हो या बच्चों को रिझाने-लुभाने वाला 'टॉम ऐंड जेरी' - इनकी हिन्दी उच्चारण की मिठास और गुणवत्ता अद्भुत,प्रभावी और ग्राह्य है । धर्म-संस्कृति, कला-कौशल, ज्ञान-विज्ञान - सभी कार्यक्रम हिन्दी की संप्रेषणीयता के प्रमाण हैं ।

क) गैर-हिन्दी भाषी कलाकारों के हिन्दी सिनेमा में आने के दो कारणों का उल्लेख कीजिए । **2**

ख) 'छोटा पर्दा' से क्या तात्पर्य है ? इसका आम जन-जीवन की भाषा पर क्या प्रभाव पड़ा ? **2**

ग) आशय स्पष्ट कीजिए :- 'सड़कों का कोलाहल सन्नाटे में बदल गया ।' **2**

घ) कुछ बहुप्रचलित और लोकप्रिय धारावाहिकों के उल्लेख से लेखक क्या सिद्ध करना चाहता है ? **2**

ङ) फ़िल्म और टी.वी. ने हिन्दी के प्रचार-प्रसार में क्या भूमिका निभाई है ? संक्षेप में लिखिए । 2

च) उपर्युक्त गद्यांश का केंद्रीय भाव लिखिए । 2

छ) 'उच्चारण' और 'प्रतिनिधि' शब्दों से मूल शब्द और उपसर्ग पृथक कीजिए । 2

ज) उपर्युक्त अवतरण के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

2) निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **(5X1=5)**

कवि, कुछ ऐसी तान सुनाओ जिससे उथल-पुथल मच जाए,
एक हिलोर इधर से आए एक हिलोर उधर से आए ।
प्राणों के लाले पड़ जाएँ, त्राहि-त्राहि स्वर नभ में छाए,
नाश और सत्यानाशों का धुआंधार जग में छा जाए ।
बरसे आग, जलद जल जाए, भस्मसात् भूधर हो जाए,
पाप-पुण्य सद्सद् भावों की धूल उड़े उठ दाएँ-बाएँ ।
नभ का वक्षस्थल फट जाए, तारे टूक-टूक हो जाएँ,
कवि, कुछ ऐसी तान सुनाओ जिससे उथल-पुथल मच जाए।

क) कवि की कविता क्रान्ति लाने में कैसे सहायक हो सकती है ? 1

ख) कवि के द्वारा किस प्रकार की उथल-पुथल चाही गई है ? 1

ग) आपके विचार से 'नाश' और 'सत्यानाश' में क्या अंतर हो सकता है ? 1

घ) किसी समाज में फैली जड़ता और रूढ़िवादिता क्रांति से ही दूर हो सकती है - स्पष्ट करें । 1

ङ) काव्यांश से एक मुहावरा चुनकर वाक्य-प्रयोग कीजिए । 1

खण्ड - 'ख'

3) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए : **(5)**

क) आतंकवाद : देश की ज्वलंत समस्या

ख) प्रगति-पथ पर भारत

ग) पहला सुख - निरोगी काया

घ) क्या नहीं कर सकती नारी

4) स्कूल जाने की उम्र में बच्चों को काम करते और भीख माँगते देखकर आपको कैसा लगता है ? अपने विचारों को प्रकट करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

आपके क्षेत्र में गंदगी का ढेर लगा हुआ है । सफाई कर्मचारी ठीक ढंग से काम नहीं करते । मच्छरों के प्रकोप से बीमारी फैलने की संभावना है । इस संदर्भ में नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए ।

5) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : **(5X1=5)**

क) उलटा पिरामिड शैली क्या है ?

ख) संपादकीय लेखन किसे कहते है ?

ग) पूर्णकालिक पत्रकार किसे कहते है?

घ) फ़ीचर लेखन की दो विशेषताएँ लिखिए ।

ङ) छह ककार कौन-कौन से होते हैं ?

6) 'टूटते-बिखरते रिश्ते' अथवा 'फ़िल्मों में बढ़ती हिंसा' विषय पर एक आलेख लिखें। **(5)**

7) 'मेट्रो रेल का सफ़र' अथवा 'जंक फूड की समस्या' विषय पर एक फ़ीचर लिखें। **(5)**

खण्ड - 'ग'

8) निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : - **(4X2=8)**

ज़ोर ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई ।
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी !
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोंक दिया ।
ऊपर से ठीकठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताकत !
बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,
मुझे पसीना पोंछते देखकर पूछा -
"क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?"

क) बात की चूड़ी कब मरती है ? उसका क्या परिणाम होता है ?

ख) भाषा-प्रयोग के संदर्भ में 'कील की तरह ठोंक देने' का क्या भाव है ?

ग) आशय स्पष्ट कीजिए -"क्या तुमने भाषा को सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?"

घ) बात की तुलना शरारती बच्चे से क्यों की गई है ?

अथवा

मैं स्नेह-सूरा का पान किया करता हूँ ,
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ ,
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ ।
मैं निज उर के उद्‌गार लिए फिरता हूँ ,
मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ ,
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता ,
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ ।

क) कवि ने स्नेह को सूरा क्यों कहा है ? संसार के प्रति उसके नकारात्मक दृष्टिकोण का कारण क्या है ?
ख) संसार किनको महत्व देता है ? कवि को वह महत्व क्यों नहीं दिया जाता ?
ग) 'उद्‌गार' और 'उपहार' कवि को क्यों प्रिय हैं ?
घ) आशय स्पष्ट कीजिए - " है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता ,
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ ।"

9) निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए : - **(3X2=6)**

सचमुच मुझे दंड दो कि हो जाऊँ
पाताली अंधेरे की गुहाओं में विवरों में
धुएँ के बादलों में
बिलकुल मैं लापता
लापता कि वहाँ भी तो तुम्हारा ही सहारा है !!
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
या मेरा जो होता-सा लगता है, होता-सा संभव है
सभी वह तुम्हारे ही कारण के कार्यों का घेरा है,
कार्यों का वैभव है ।

क) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।
ख) अलंकार-योजना लिखिए ।
ग) काव्यांश की भाषा के बारे में लिखिए ।

10) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : - **(3+3=6)**

क) 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर 'बिन मुरझाए महकनें' के माने का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

ख) 'पर्दे पर वक्त की कीमत है' कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नज़रिया किस रूप में रखा है ?

ग) पृथ्वी का हर कोना बच्चों के पास कैसे आ जाता है - 'पतंग' कविता के आधार पर लिखिए ?

11) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : - **(4X2=8)**

सियारों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज कभी-कभी निस्तब्धता को अवश्य भंग कर देती थी | गाँव की झोपड़ियों से कराहने और कै करने की आवाज, 'हरे राम ! हे भगवान !' की टेर अवश्य सुनाई पड़ती थी | बच्चे भी कभी-कभी निर्बल कंठों से 'माँ-माँ' पुकारकर रो पड़ते थे | पर इससे रात्रि की निस्तब्धता में विशेष बाधा नहीं पड़ती थी | कुत्तों में परिस्थिति को ताड़ने की एक विशेष बुद्धि होती है | वे दिन भर राख के घूरों पर गठरी की तरह सिकुड़कर, मन मारकर पड़े रहते थे | संध्या या गंभीर रात्रि को सब मिलकर रोते थे | रात्रि अपनी भीषणता के साथ चलती रहती और उसकी सारी भीषणता को, ताल ठोककर, ललकारती रहती थी - सिर्फ पहलवान की ढोलक |

क) रात्रि की निस्तब्धता का क्या कारण था ? निस्तब्धता की भयानकता किन कारणों से और अधिक भयानक बन रही थी ?

ख) बच्चों की 'माँ-माँ' की पुकार से रात्रि की निस्तब्धता में बाधा क्यों नहीं पड़ती थी ?

ग) 'कुत्तों में परिस्थिति को ताड़ने की एक विशेष बुद्धि होती है |' - पाठ के संदर्भ में इस कथन की पुष्टि कीजिए |

घ) रात्रि की भीषणता को ललकारने का काम कौन करती थी और कैसे ?

12) निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **(4X3=12)**

क) 'भक्तिन' और 'महादेवी' के नामों में क्या विरोधाभास था ?

ख) बाज़ार किसी का लिंग, जाति, धर्म या क्षेत्र नहीं देखता; वह देखता है, सिर्फ़ उसकी क्रयशक्ति को । इस रूप में वह एक प्रकार से सामाजिक समता की भी रचना कर रहा है । आप इससे कहाँ तक सहमत हैं, तर्क सहित लिखिए ।

ग) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया ?

घ) कहानी के किस-किस मोड़ पर लुट्टन के जीवन में क्या-क्या परिवर्तन हुए ?

ङ) लेखक ने ऐसा क्यों कहा है कि अभी चैप्लिन पर करीब पचास वर्षों तक काफ़ी कुछ कहा जाएगा ?